

8th AMIFOST – 2025

“The Future of Food Science & Technology: Innovations, Sustainability, and Health” from 27th and 28th March 2025.

International Conference on Emerging Trends in Food Science and Technology was successfully organized by the Amity Institute of Food Technology (AIFT), Amity University Uttar Pradesh, Noida, bringing together academicians, researchers, industry professionals, scientists and students to deliberate on emerging developments and innovations in food science and technology. The conference provided a vibrant platform for knowledge exchange, scientific discussions and networking, **research papers submitted** for consideration and contributions addressing contemporary areas of food processing, functional foods, food safety, nutrition, sustainable food systems, emerging technologies and value addition of food resources. The event featured expert presentations, technical sessions and research paper presentations, facilitating interaction between academia and industry and encouraging collaborative research and innovation. In total we receive more than 457 abstracts. We have 20. speakers in all the 06 different technical sessions, with 150 offline Oral presentations, 87 online oral presentations, 100.e-posters, and 120 offline posters from various presenters, India and abroad. The Conference was sponsored by – Suhana – Praveen Masale; Agarwal Packers & Movers; Anmol Industries; Aruna Industries; Dalmia Sugar; Divya Spices; Yakult and RAR. The conference also highlighted the importance of sustainable, technology-driven and nutrition-sensitive approaches for addressing emerging challenges in the food sector. Overall, **8th AMIFOST 2025** successfully strengthened AIFT’s academic and research outreach and provided a meaningful platform for dissemination of recent research, professional networking and promotion of innovation in food science and technology.





'प्रयोगशाला से कृषकों तक पहुंचे प्रौद्योगिकी'



सेक्टर-125 स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सोवियर का विमोचन करते एफआईसीसीआई के खाद्य प्रसंस्करण सलाहकार सिराज हुसैन (बाएं से दूसरे) • सौ. प्रबंधन

जार्ज, नोएडा: भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के स्टडी के अनुसार, 56 प्रतिशत व्यक्ति खराब जीवनशैली से रोगों की चपेट में आ जाते हैं। इसलिए युवाओं को केवल रोजगार पाने के लिए खाद्य प्रसंस्करण का विषय नहीं पढ़ना चाहिए। खाद्य हर किसी को प्रभावित करता है। अगर स्वास्थ्य की बात करें, तो उसमें खाद्य पदार्थों की भूमिका सबसे अहम है। हमें प्रचुर मात्रा में खाद्य का उत्पादन करना चाहिए ताकि हमारी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो। यह बातें एफआईसीसीआई के खाद्य प्रसंस्करण सलाहकार सिराज हुसैन ने एमिटी विश्वविद्यालय में ' खाद्य

विज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचार, स्थायित्व व स्वास्थ्य' पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ' एमिफोस्ट 2025 'के शुभारंभ के अवसर पर पर वृहस्पतिवार को कही। कार्यक्रम में जर्मनी के कोम्पेटेंजेंटम ओबस्टबाउ बोर्डेसी के एमडी डा. मैन्फ्रेड बुचले ने कहा कि प्रौद्योगिकी का महत्व तभी सार्थक है जब वह प्रयोगशाला से निकलकर कृषकों के हाथ में जाए। खाद्यान्न उत्पादन में नई वैरायटी, नई तकनीक के विकास की आवश्यकता है। हमें बढ़ती वैश्विक आबादी के लिए अधिक खाद्य की आवश्यकता है। खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में आ रही चुनौतियों को दूर करने में सम्मेलन सहायक होते हैं।

एमिटी में एमिफोस्ट-2025 की शुरुआत



■ **NBT न्यूज, नोएडा :** सेक्टर-125 की एमिटी यूनिवर्सिटी के इंस्टिट्यूट ऑफ फूड टेक्नॉलजी की ओर से खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर 2 दिवसीय सम्मेलन एमिफोस्ट-2025 का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ एफआईसीसीआई के खाद्य प्रसंस्करण सलाहकार सिराज हुसैन, एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डॉ. बलविंदर शुक्ला, जर्मनी के डॉ. मैन्फ्रेड बुचले ने किया। इस सम्मेलन में खाद्य उत्पादन और खाद्य सुरक्षा पर विचार प्रस्तुत किए जाएंगे।



